

दिनांक आज का  
कार्यवाही

19/12/18

पत्रावली पेश हुई। बकुलाए करीबन उपस्थित  
की ओर पत्रावली पेश करने से वाहए/अवसत है।  
गत आदेशानुसार दिनांक 9/1/19 को पेश

9/1/19

पत्रावली पेश हुई। बकुलाए करीबन उपस्थित  
की ओर पत्रावली पेश करने से वाहए/अवसत है।  
गत आदेशानुसार दिनांक 9/1/19 को पेश

20/2/19

आज पत्रावली पेश हुई। बकुलाए  
करीबन उपस्थित। आज बार द्वारा  
उपस्थित नहीं रही है। गत आदेशानुसार  
पत्रावली दिनांक 13/3/19 को पेश हो।  
P.O. श्री. राज कुमार सिंह लाहौर है।

13/3/19

वकील पल्लडारन (उप) वकील प्रतियादी  
सं० पक्षी ओर से अधिक ज़ी वलवत  
सिंह चौधरी से नकल नामा मध्य  
स्त्रालिम जवाब पत्रावली किया। शामिल  
जिमल रेट। नकल वकील वादी को  
डिलिवर जडी अधिक पत्रावली से  
वेहस करन जाहिर किया। अधिक पत्रावली  
की वेहस सुती जडी पत्रावली वरिष्ठ  
आदेश दि० 19/3/19 को पेश हो।

19/3/19

पत्रावली आज आदेश है। निपटारी प्रारंभ  
सुनाया गया। वादीगण से खारेज आदेश  
दोषित किया जाय है। पिछले निर्णय प्रकृत  
के लिए वाहए शामिल पत्रावली किया गया।  
पत्रावली दि० 19/3/19 को पत्रावली जमानत सुनाए  
लाहौर नम्बर से वाहए है।

सहायक न्यायाधीश  
लाहौर

न्यायालय सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक) दूदू जिला जयपुर (राज०)  
पीठासीन अधिकारी- श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत आर.ए.एस.

राजस्व वाद-पत्र संख्या : 66/2017

वाद दायरी दिनांक : 15/06/2017

निर्णय दिनांक : 19/03/2019

- |                |   |  |
|----------------|---|--|
| 1. भंवर सिंह   | } | पुत्रान स्व० नारायण सिंह, जातियान राजपूत,<br>निवासीगण बिचून हाल निवासी 73, देवीनगर<br>न्यू सांगानेर रोड, सोडाला जयपुर, राज०। |
| 2. कल्याण सिंह |   |  |
| 3. किशोर सिंह  |   |  |
| 4. दशरथ सिंह   |   |  |

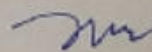
-- वादीगण

बनाम

1. दौलत सिंह पुत्र स्व० गणपत सिंह, जाति राजपूत, निवासी बिचून हाल निवासी 51/163, मध्यम मार्ग, मानसरोवर जयपुर, राज०।
  2. शंकर सिंह पुत्र स्व० गणपत सिंह, जाति राजपूत, निवासी बिचून हाल निवासी 1/244, मॉडल टाऊन हाऊसिंग बोर्ड सवाईमाधोपुर।
  3. बलवीर सिंह पुत्र स्व० गणपत सिंह, जाति राजपूत, निवासी बिचून हाल निवासी 1/244, मॉडल टाऊन हाऊसिंग बोर्ड सवाईमाधोपुर।
  4. कान सिंह पुत्र स्व० जीवन सिंह, जाति राजपूत, निवासी बिचून हाल निवासी जनता कॉलोनी बस स्टैण्ड मालपुरा, जिला टोंक, राज०।
- |               |   |  |
|---------------|---|--|
| 5. भंवर सिंह  | } | पुत्रान स्व० बजरंग सिंह, जातियान राजपूत<br>निवासीगण बिचून हाल निवासी आधुना बस स्टैण्ड<br>के पास, छोटी खाद्, तह. डीडवाना, जिला नागौर। |
| 6. इन्दर सिंह |   |  |
| 7. मोहन सिंह  |   |  |
| 8. सम्पत सिंह |   |  |
9. तहसीलदार, मौजगाबाद, जिला जयपुर, राज०।

-- प्रतिवादीगण

वाद-पत्र घोषणा इन्द्राज दुरुस्ती, स्थायी निषेधाज्ञा  
अन्तर्गत धारा 88, 89, 92 व 188 राज०टी०ए०



सहायक कलेक्टर  
(फास्ट ट्रेक) दूदू



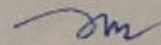
उपस्थिति - श्री हनुमानप्रसाद चौधरी  
श्री महेश कुमार चौधरी  
विद्वान् अभिवक्ता वादीगण

श्री बलवंत सिंह चौधरी  
प्रतिवादी संख्या 4  
प्रतिवादी संख्या 1 ल. 3 व 5 ल. 8 के विरुद्ध  
एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी गयी।

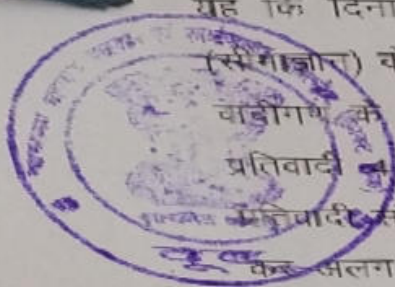
निर्णय दिनांक 19/03/2019

-: निर्णय :-

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादी ने एक दाद-पत्र बाबत धोषणा, इन्द्राज दुरुरती व स्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 88, 89, 92 व 188 राज0टी0ए0 विरुद्ध प्रतिवादीगण इस आशय का पेश किया कि वादीगण एंव प्रतिवादीगण एक ही हिन्दू परिवार सदस्य रहे हैं तथा ग्राम बिचून के मूल निवासी रहे हैं एंव ग्राम बिचून पूर्व जागीर का गांव था। तथा समत 2011 से 2029 को प्रतिवादीगण 1 लगायत 8 के बुजुर्गा के नाम से खाता संख्या 625 के ख.नं. 470 रकबा 3 बीघा 18 बिस्वा, ख.नं. 413 रकबा 2 बीघा 10 बिस्वा, ख.नं. 414 रकबा 18 बिस्वा, ख.नं. 412 रकबा 6 बीघा 16 बिस्वा किता 9 रकबा 33 बीघा 17 वाके ग्राम बिचून तहसील दूदू, जिला जयपुर का जारी हुआ। उक्त भूमि में से औकार सिंह व गणपत सिंह ने अपने हिस्से की भूमि दीनर व्यक्तियों को विक्रय कर दिया है तथा बजरंग सिंह ने अपने हिस्से की भूमि का हिस्सा दे चुका है तथा कानसिंह जी के हिस्से की भूमि का अलग तकासना करा लिया है तथा शेष राबिक ख.नं. 468 रकबा 2 बीघा 15 बिस्वा व ख.नं. 469 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा किता 2 रकबा 4 बीघा 18 बिस्वा वाके ग्राम बिचून वादीगण के हिस्से में आयी है। प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 के सिता स्व. गणपत सिंह एंव उनके बड़े भाई औकार सिंह ने अपने जीवनकाल में उक्त हिस्से की भूमि को विक्रय कर दी है जिसमें भी वादीगण का नाम शामिल में खातेदारी में था परन्तु उनका तकासना के दावे में केताओ के हिस्से में आ गये हैं इसी प्रकार औकार सिंह जी का देहान्त नाऔलाद ही करीब 12 वर्ष पूर्व हो चुका है। तथा गणपत सिंह का देहान्त करीब 10 वर्ष पूर्व हो चुका है। तथा प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 उनके वारिस एंव उत्तराधिकारी है। तथा बजरंग सिंह का भी देहान्त हो चुका है। जिनके प्रतिवादी संख्या 5 लगायत 8 वारिस एंव उत्तराधिकारी है। उक्त विवादित हाल ख.नं. 322 रकबा 0.52 व 323 रकबा 0.70 किता 2 रकबा 1.22 हैक्टर हाल राजस्व ग्राम नया बास तहसील मौजगाबाद तन्हा वादी का कब्जा काश्त है।

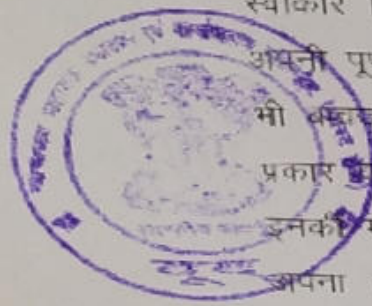
  
सहायक कलक्टर  
(फास्ट ट्रैक) बुध

वादीगण एवं प्रतिवादीगण मूल रूप से उनके बुजुर्गन विधून के निवासी थे, परन्तु वर्तमान में वादीगण जयपुर निवास करते हैं तथा प्रतिवादी संख्या 1 जयपुर तथा प्रतिवादी संख्या 2 व 3 सवाईमाधोपुर, प्रतिवादी संख्या 4 मालपुरा, एवं प्रतिवादी संख्या 5 से 8 छोटी खाटू तहसील डीडवाना जाकर बस गये तथा वादीगण के पिता स्व. नारायण सिंह व प्रतिवादी संख्या 4 कानसिंह जी अपने हिस्से में आयी आराजीयात का अलग से विभाजन कराकर अपने हिस्से में आयी भूमि को अलग से अपने नाम करवाली तथा उक्त विवादित भूमि अकेले वादीगण की ही कब्जे काश्त एवं खातेदारी की रही है। साबिक ख.नं. 468 जिसके हाल ख.नं. 322 एवं साबिक ख.नं. 469 जिसके हाल ख.नं. 323 कित्ता 2 हाल रकबा 1.22 हैक्टर जो पूर्व में ग्राम विचून तथा हाल ग्राम नया बास में केवल वादीगण अकेले के बुजुर्गों के समय भाई बटवारे में वादीगण के हिस्से में वादीगण के हिस्से में है। चूकि प्रतिवादीगण 1 लगायत 8 का तथा उनके पूर्वजो का उक्त वादीगण के हिस्से में आयी भूमि ख.नं. 323 व 323 अकेले वादीगण के हिस्से में थी। तथा उक्त भूमि के साथ प्रतिवादीगण के बुजुर्गों के जो शागलाती भूमि 33 बीघा 17 बिस्वा थी। उत्तमें से प्रतिवादीगण कानसिंह को छोडकर शेष प्रतिवादीगण के बुजुर्गों ने विक्रय करके केताओ ने तकासना करवाकर अलग अलग खाते कायम करवा लिये हैं तथा प्रतिवादी 4 कानसिंह जी ने भी अपने हिस्से में आयी भूमि का अलग से तकासना करवा कर अपना खाता अलग कायम करवा लिया है जिसके संबंध में पक्षकारान के बीच कोई विवाद नहीं है। वादीगण विगत 30 वर्षों से जयपुर निवास करते हैं तथा अपने हिस्से में आयी उक्त भूमि ख.नं. 322 व 323 कित्ता 2 रकबा 1.22 हैक्टर वाके ग्राम नया बास तहसील मौजमाबाद को बटाई पर काश्त करवा लेते तथा समय समय पर अपने हिस्से की आराजीयात को संभालते आ रहे हैं। यह कि दिनांक 22.02.017 को वादीगण अपने हिस्से की उक्त भूमि की पत्थरगड (संग्रहण) के लिए पटवारी हल्का से जमाबन्दी की नकल ली तो ज्ञात हुआ कि उक्त वादीगण के हिस्से एवं कब्जे काश्त की भूमि में अभी भी प्रतिवादीगण 1 लगायत 3 व प्रतिवादी 4 व 5 लगायत 8 के बुजुर्गों का नाम संयुक्त रूप से दर्ज है जबकि प्रतिवादी संख्या 4 ने उक्त साबिक ख.नं. 470, 473, 414 व 412 की पूर्व में करवा पर केवल अलग से खाता कायम करवा लिया है। तथा प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 के पिताओ ने उक्त भूमि में अपने हिस्से की भूमि विक्रय करके केताओ ने अलग खाता कायम करवा लिया है। तथा शेष साबिक ख.नं. 468 व 469 जिसके हाल ख.नं. 322 व 323 केवल वादीगण के हिस्से के संयुक्त खातेदारी में रह गये। जिस पर वादीगण ने



*M*  
 सहायक कलेक्टर  
 (आर.डी.ओ.) जयपुर

हमने विद्वान अधिवक्ता वादी व प्रतिवादी संख्या 4 की बहस का ध्यानपूर्वक मन्न किया तथा पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया। वादी द्वारा प्रस्तुत वाद-पत्र, दस्तावेजात नकल खतौनी बन्दोबस्त सम्यत 2011-2029, हाल खतौनी भू प्रबन्ध विभाग नयाबास, मिलान क्षेत्रफल, नकल जमाबन्दी ग्राम नयाबास सम्यत 2072 से 2072 व प्रतिवादीगण द्वारा प्रस्तुत इकबालिया जवाबदावा का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। अवलोकन से स्थिति इस प्रकार पायी गयी कि पर्चा सैटलमेन्ट सम्यत 2011 के अनुसार अन्य आराजी के साथ-साथ साबिक खसरा नम्बर 468, 469 का पर्चा हवाला 'फतेह सिंह वल्द विजय सिंह हि. 1/2, नारायण सिंह व बजरंग सिंह व कान्हसिंह पि. जीवण सिंह हि. 1/2 कौम राजपूत सा० देह घुटगया' के नाम से जारी हुआ है। जो मुताबिक सिजरा पदाकारान के पूर्वज रहे है एवं कान सिंह स्वयं प्रतिवादी संख्या 4 के रूप में मौजूद है। वादी के कथनानुसार साबिक खसरा नम्बर 468, 469 जिसके हाल खसरा नम्बर 322, 323 है, जो तकासमा के पश्चात वादी के हिस्से में आये थे तथा अन्य पक्षकारान के हिस्से में जो आराजी आयी थी, वो आराजी उन्होंने दीगर कंताओं को बैचान कर दी है, लेकिन हाल ख.न. 322, 323 अभी तक प्रतिवादीगण के नाम से ही दर्ज चली आ रही है, जो वर्तमान रिकार्ड में खातेदार 'ओंकार सिंह, गणपत सिंह मुजान फतेह सिंह हि. 1/2, भंवर सिंह, कल्याण सिंह, किशोर सिंह, दशरथ सिंह पि. नारायण सिंह, बजरंग सिंह, कान सिंह पि. जीवण हि. 1/2 कौम राजपूत सा० देह खातेदार' के नाम से ही दर्ज चली आ रही है, जिससे यह पाया जाता है कि उक्त आराजीयात वादीगण के हिस्से की आराजीयात ही रही है, पर्चा अन्य आराजीयात के साथ-साथ उक्त आराजीयात का भी जारी सामलाती में हुआ है, जो वादीगण द्वारा प्रस्तुत दस्तोवजात से भी साबित है। प्रतिवादीगण के हिस्से की जो आराजीयात रही है, उसको प्रतिवादीगण द्वारा पूर्व में ही बैचान किया जा चुका है, इस बाबत प्रतिवादी संख्या 4 ने भी इकबालिया जवाबदावा पेश कर वादी के वाद को स्वीकार किया है एवं डिक्ली किये जाने में किसी प्रकार की आपत्ति नहीं जताकर अपनी पूर्ण सहमति दी है, इसी प्रकार प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 व 5 लगायत 8 भी मौजूद रजि० एडी तामिल न तो स्वयं उपस्थित हुये न ही उनकी ओर से किसी प्रकार की आपत्ति ही पेश हुयी है जिससे यह साबित है कि वादी के वाद बाबत इनकी भी सहमति है। यदि प्रतिवादीगण को किसी प्रकार की आपत्ति होती तो वे अपना पक्ष जरूरत रखते। इस प्रकार उपरोक्त विवेचन उपरान्त वादीगण अपने



*Jm*  
 सहायक कलेक्टर,  
 (फाइन टैक्स) बड़

प्रतिवादीगण 1 लगायत 8 से सम्पर्क किया तो उन्होंने कहा कि हमारा नाम यदि तुम्हारे खातेदारी भाई बट में रह गया तो आप दुरुस्त करवा लेये । इस पर वादीगण ने दिनांक 31.05.2017 का राजस्व अभियान न्याय आपके द्वार केम्प में उपस्थित होने की तारीख नुर्करर की । जिस पर वादीगण एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 ही हाजिर हुई । तथा तहसीलदार महोदय से केम्प में राजस्व रिकॉर्ड की नकले बतायी तो तहसीलदार महोदय ने बताया कि इसका आपको सक्षम न्यायालय में दावा ही करना पड़ेगा । इसलिये वादीगण को उक्त आराजीयात ख.नं. 322 323 का घोषणा, एवं इन्द्राज दुरुस्ती का दावा लाना आवश्कीय है ।

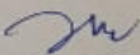
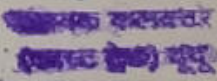
वादी ने वाद-पत्र के अन्य बिन्दुओं के साथ-साथ वाद कारण अंकित करते हुये दादरसी चाही कि साबिक ख.नं. 468 व 469 जिसके हाल ख. नं. 322 रकबा 0.52 व ख.नं. 323 रकबा 0.70 किता 2 रकबा 1.22 हैक्टर वाले ग्राम नया बास पटवार हल्का बिचून तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर को वादीगण को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 8 के नाम से उक्त भूमि में जो नाम है उसी दुरुस्त किया जावे । उक्त भूमि ख.नं. 322 व 323 वाले ग्राम नयाबास पटवार हल्का बिचून तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर से वादीगण के कब्जे काश्त में दखलंदाजी हेतु प्रतिवादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे ।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर तलदी प्रतिवादीगण जारी की गयी । दिनांक 19/07/2017 को वादी द्वारा रजि० ए.डी. रसीद पेश की, जो शामिल पत्रावली की गयी । दिनांक 02/08/2017 को प्रतिवादी संख्या 4 की ओर से श्री लोकेन्द्र सिंह एडवोकेट ने अण्डरटेकिंग ली ।

दिनांक 28/08/2017 को प्रतिवादी संख्या 1 ल. 3 व 5 ल. 8 बावजूद सूचना उपस्थित नहीं होने से उनके विरुद्ध कार्यवाही एकतरफा अमल में लागी गयी । दिनांक 13/03/2019 को प्रतिवादी संख्या 4 की ओर से श्री बलवंत सिंह चौधरी एडवोकेट ने बकालतनामा मय इकबालिया जवाबदावा पेश किया, जो शामिल गिसल किया गया । प्रतिवादी संख्या 9 की ओर से पैरोकार उपस्थित होकर जवाब पेश नहीं करना जाहिर किया ।

वकील वादी साहय पेश न कर सीधी बहस करना जाहिर किया । पत्रावली को बहस नियत की गयी ।

विद्वान अधिवक्ता वादी व प्रतिवादी संख्या 4 की बहस सुनी गयी ।



वाद-पत्र को दस्तावेजी एवं मौखिक साक्ष्यों से साबित करने में पूर्ण रूप से सफल रहें। ऐसी स्थिति में वादीगण का वाद डिक्री किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः वादीगण द्वारा प्रस्तुत वाद-पत्र वादग्रस्त आराजी खसरा नम्बर 322, 323 कुल किता 02 कुल रकबा 1.22 हैक्टेयर वाके ग्राम नयाबास, तहसील मौजमाबाद में दर्ज खातेदारान का नाम हजफ किया जाकर वादीगण को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली फैंशल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 19/03/19 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



*Jm*  
 सहायक फ्लोर एवं  
 कार्यपालक मजिस्ट्रेट (फास्ट ट्रेक)  
 ज्योतिपुर (जयपुर)

# डिग्री मुकदमा इत्तदाई

(अं. 20 एन 6-7 जल्ला बीवानी)

अदालत, सहायक कोर्ट (फास्ट ट्रैक) मुकाम 55 जिला जयपुर

रजिस्ट्रार श्री राजेंद्र सिंह शेखावत भा.र.ए. एम  
अदालत कोर्ट

याद गवत दोगला इंदुज कुमारी, एम.ए. विशेषज्ञ  
मुकदमा नं. 66 तन 2017

यह मुकदमा आज वारो इन्फिन्साल कलई करके श्री हनुमान प्रसाद चौधरी, प्रदीप कुमार चौधरी  
व हाजिरी विनयाजिब मुदरं करके वास्तविक चौधरी

विनयाजिब मुदरं पेश होकर हुजम दिया गया है व डिग्री दी जाती है कि

बादीगवा को रकम 1000-322 रुका 0-52 रुका खमरातकर  
323 रुका 0-70 रुका कुल बिना 2 रुका 1-22 रुका करेगुन  
नयावास लक्ष्मी मोजमाकद जिला जयपुर का खोलेर खेसिबिना  
जाता है। अ-घ खोलेरों का नाम हकफ दिया जाता है।

दिना मुकलिंग वायत  
धर्मा इस मुकदमे के गव मुद वसरह कीसारी एनएन गज की तारीख से  
लारेख अदायगी तक का अदा करे।

बखत मेरे दरखास्त व मुदर अदालत के आज तारीख 19 गह 03 तन 2019 को

आती की गड



दस्तावेज सहायक कलक्टर  
अदालत (फास्ट ट्रैक) जयपुर

मुदर	रुपा	पैसे	मुदायलह	रुपये	पैसे
स्टाम्प अजी दावा	4	-	स्टाम्प अजी दावा	4	-00
स्टाम्प अदालत नामा	1	-	स्टाम्प अजी	2	-00
महंताना वकील			महंताना वकील		
खर्चा गवाहन			खर्चा गवाहन		
फीस कनिश्चर			फीस कनिश्चर		
शामत इतरण हुकानाया			शामत इतरण हुकानाया		
मुतफरिफ			मुतफरिफ		
मीजान			मीजान		

नोट - इस खर्चा के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फर्दोंके का चाहे डिग्री के जरिये दिचाया गया हो या नहीं, दर्ज करना चाहिए।

